शिक्षकों को आपस में अकादमिक चर्चाओं में सहयोग हेतु

चर्चा पत्र

माह- मार्च, 2022

सप्तम वर्ष, अंक -10

ग्रीष्मावकाश में हुई कटौती से मिले समय का बेहतर उपयोग

सीखने में हुई क्षति **(Learning Loss)** की भरपाई **(learning Recovery)** कैसे करेंगे ?

विभिन्न स्तरों में कार्य दल **(Working Group)** का गठन कर कार्यक्रम क्रियान्वयन करें !

1. शिक्षकों का सतत क्षमता विकास

2. शालाओं में उपलब्ध कराए जाने हेतु शिक्षण सामग्री

3. इस अवधि में कक्षा में उपयोग में लाए जाने हेतु शिक्षण विधियाँ

4. शिक्षकों/ विद्यार्थियों को समर्थन, प्रोत्साहन एवं समस्या समाधान

5. मानिटरिंग एवं आकलन प्रक्रिया

राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

एजेंडा एक: निरीक्षण हेतु शालाओं को तैयार करना

राज्य में अकादमिक निरीक्षण हेतु आनलाइन व्यवस्था लागू की गयी है | इस हेतु स्कूलों को तैयार कर सौ अंकों में अधिक से अधिक अंक पाने हेतु सभी स्कूलों में आवश्यक तैयारियां करनी होगी | अकादमिक निरीक्षण हेतु निम्नलिखित बिन्दुओं पर अंक निर्धारित हैं-

क्र.	सूचकांक	निर्धारित अंक			अपेक्षाएं
1	शाला परिसर का वातावरण सीखने-सिखाने के लिए अति उत्तम है, स्वच्छ है		2	1	0	शाला के भीतर सीखने-सिखाने का माहौल, प्रिंट-रिच वातावरण, सक्रिय पुस्तकालय, बागवानी, समूह में एक दूसरे को सीखने में सहयोग देते विद्यार्थी, साफ-सुथरा माहौल एवं सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध है	
2	निरीक्षण के दौरान सभी शिक्षक शाला में उपस्थित एवं अपने कार्यों में सक्रिय पाए गए (TIME ON TASK)		2	1	0	स्कूल में सभी शिक्षक नियमित रूप से उपस्थित रहते हैं और शाला समय में अपना अधिकतम समय कक्षा शिक्षण एवं बच्चों को सीखने में सहयोग के लिए देते हैं	सभी कक्षाओं में बच्चे सीखने हेतु सक्रिय पाए जाते हैं	
3	मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, नियमितता एवं स्वच्छता		2	1	0	मध्याह्न भोजन बहुत सफाई से, पौष्टिकता का ध्यान रखकर बनाकर बहुत व्यवस्थित तरीके से बनाकर नियमित रूप से वितरित किया जाता है	
4	अभ्यास पुस्तिकाओं की उपलब्धता, उन पर नियमित कार्य एवं फीडबैक देना		2	1	0	स्कूल में विद्यार्थियों को वितरित अभ्यास पुस्तिकाओं पर वे निरंतर कार्य करते हैं और शिक्षक उनके कार्यों के आधार पर वापस फीडबैक देकर सुधार करते हैं	
5	शाला प्रबन्धन समिति की सक्रियता एवं नियमित बैठकों में उपस्थिति/ सहभागिता		2	1	0	स्कूल के नियमित कार्यों, बच्चों एवं शिक्षकों की नियमित उपस्थिति, उनकी पढ़ाई में निरंतर सुधार हेतु शाला समिति के सदस्य बहुत सक्रिय भूमिका निभाते हैं	
6	सभी कक्षाओं में LO आधारित विद्यार्थी विकास सूचकांक अद्यतन उपलब्ध हैं		2	1	0	प्रत्येक कक्षा में विद्यार्थी विकास सूचकांक प्रदर्शित कर उस माह के लिए निर्धारित LO एवं प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा LO हासिल करने पर टिक किया जाता है और निरीक्षण के समय विद्यार्थी विकास सूचकांक में दक्षता हासिल कर चुके विद्यार्थियों से प्रश्न पूछकर सत्यता का परीक्षण किया जाता है	
7	शाला में सभी बच्चों द्वारा पुस्तकालय का नियमित उपयोग किया जाता है		2	1	0	पुस्तकालय के रजिस्टर को देखकर यह पता करना होगा कि सभी विद्यार्थियों द्वारा पुस्तकालय की पुस्तकों का नियमित उपयोग किया जा रहा है	

8	सभी बच्चों द्वारा नियमित रूप से विभिन्न प्रयोगों का प्रदर्शन किया जाता है।	2	1	0	बच्चों से चर्चा कर एवं उन्हें विज्ञान के प्रयोगों को प्रस्तुत करने के अवसर देते हुए यह देखना होगा कि सभी बच्चों से नियमित रूप से प्रयोग करवाया जाता है।
9	सभी बच्चों को खेलने के पर्याप्त अवसर दिए जाते हैं और खेल की पर्याप्त सामग्री है।	2	1	0	बच्चों से चर्चा कर देखें कि उन्हें स्कूल में कौन-कौन से खेल खेलने के अवसर मिलते हैं और स्कूल में कौन-कौन सी खेल सामग्री है, इसके आधार पर अंक देवें।
10	विद्यार्थियों को मिलने वाली सभी सुविधाएँ उन्हें समय पर मिल रही है	2	1	0	पाठ्य-पुस्तक, गणवेश, अभ्यास पुस्तिकाएं, छात्रवृत्ति एवं अन्य सभी सामग्री/ सुविधाएं उन्हें समय पर उपलब्ध हो रही है और कोई रुकावट नहीं है।
11	सभी शिक्षकों के फोटो शाला के बाहरी दीवार पर प्रदर्शित किए गए हैं	2	1	0	शाला में अध्यापन करने वाले सभी शिक्षकों का विवरण एवं उनके फोटोग्राफ शाला की बाहरी दीवार पर प्रदर्शित किए गए हैं।
12	ट्विनिंग ऑफ़ स्कूल के अंतर्गत पार्टनर शाला के साथ प्रतिमाह साझेदारी होती है	2	1	0	ट्विनिंग ऑफ़ स्कूल योजना के अंतर्गत दो शालाओं में आपस में पार्टनरशिप है और वे आपस में एक दूसरे से संसाधनों को साझा करते हैं एवं एक दूसरे की शालाओं का भ्रमण भी करते हैं।
13	विगत छह माह के भीतर विद्यार्थियों को इमरजेंसी में बाहर निकालने मोक ड्रिल हुआ है	2	1	0	सभी शालाओं में विद्यार्थियों को कम समय में शाला परिसर छोड़ने के लिए मोक-ड्रिल का अभ्यास प्रति छह माह में करते हुए कम से कम समय में परिसर छोड़ने का प्रयास करना सीखना चाहिए।
14	शाला सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत शालाओं का सुरक्षा ओडिट किया गया है	2	1	0	शाला परिसर में बच्चों की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों जैसे खुले बिजली के तार, गड्ढे, छत में दरार और अन्य ऐसे विभिन्न मुद्दों पर समुदाय द्वारा सुरक्षा ओडिट किया जाता है और ऐसे कमियों को दूर किया जाता है।
15	शाला के पास आगामी तीन वर्ष का शाला विकास योजना उपलब्ध है	2	1	0	शाला के पास उपलब्ध संसाधनों एवं मिल सकने वाले संसाधनों की मैपिंग कर शाला में विभिन्न विकास कार्यों के लिए आगामी तीन वर्षों की योजना तैयार है।
16	शाला में बच्चों के सहयोग से किचन गार्डन विकसित किया गया है	2	1	0	शाला में किचन गार्डन एवं बागवानी है जिसकी देखभाल विद्यार्थी स्वयं समदाय के साथ मिलकर करते हैं और इसका इस्तेमाल मध्याह्न भोजन में होता है।
17	शाला में सक्रिय बाल संसद/ युवा एवं इको क्लब का संचालन किया जा रहा है	2	1	0	शाला में बाल संसद/ युवा क्लब का गठन चुनाव के द्वारा किया गया है। बच्चों को विभिन्न जिम्मेदारियां/ मंत्रालय देते हुए उन्हें सुधार कार्य करते हुए देखना है।

18	शाला में क्रियाशील शौचालय एवं स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था है	2	1	0	शाला में ये दोनों का होना अत्यंत आवश्यक है | शौचालय में उपयोग हेतु पानी होना चाहिए | पीने के लिए स्वच्छ पेयजल भी अत्यंत आवश्यक है |
19	शिक्षकों द्वारा चर्चा पत्र अध्ययन कर मासिक बैठकों में सहभागिता की जाती है	2	1	0	सभी शिक्षक वेबसाईट से सीधे चर्चा पत्र को डाउनलोड करते हैं, उसे पढ़ते हैं और फिर अपने अपने स्कूलों में विभिन्न एजेंडा लागू करने हेतु बैठक में शामिल होते हैं |
20	सभी शिक्षक स्वयं एवं पालकों को सोशियल मीडिया में सक्रिय रखें हैं	2	1	0	सभी शिक्षक टेलीग्राम ग्रुप एवं अकादमिक चैनल से जुड़े हैं और विद्यार्थियों से जुड़े रहने हेतु भी पालकों के माध्यम से सोशियल मीडिया से कनेक्ट रहते हैं |
21	सभी बच्चों ने मूलभूत साक्षरता का कौशल हासिल कर लिया है	10 to 0 scale			विद्यार्थी विकास सूचकांक, सेम्पल चेक एवं पिछले टेस्ट को ध्यान में रखते हुए लगभग कुल कितने प्रतिशत बच्चों ने मूलभूत साक्षरता का कौशल हासिल कर लिया है, 0-10 के बीच उतने अंक देवें | 70%-7, 46%-4.6 अंक देवें |
22	सभी बच्चों ने मूलभूत संख्यात्मकता का कौशल हासिल कर लिया है	10 to 0 scale			विद्यार्थी विकास सूचकांक, सेम्पल चेक एवं पिछले टेस्ट को ध्यान में रखते हुए लगभग कुल कितने प्रतिशत बच्चों ने मूलभूत गणितीय कौशल हासिल कर लिया है, 0-10 के बीच उतने अंक देवें | 70%-7, 46%-4.6 अंक देवें |
23	भाषा में कक्षा अनुरूप दक्षता हासिल कर चुके बच्चों के % के आधार पर स्कोर	10 to 0 scale			कक्षा में निर्धारित लर्निंग आउटकम के आधार पर भाषा में कितने प्रतिशत बच्चों ने दक्षता हासिल कर ली है, उसके आधार पर 0-10 के बीच अंक देवें |
24	गणित में कक्षा अनुरूप दक्षता हासिल कर चुके बच्चों के % के आधार पर स्कोर	10 to 0 scale			कक्षा में निर्धारित लर्निंग आउटकम के आधार पर गणित में कितने प्रतिशत बच्चों ने दक्षता हासिल कर ली है, उसके आधार पर 0-10 के बीच अंक देवें |
25	विज्ञान में कक्षा अनुरूप दक्षता हासिल कर चुके बच्चों के % के आधार पर स्कोर	10 to 0 scale			कक्षा में निर्धारित लर्निंग आउटकम के आधार पर विज्ञान में कितने प्रतिशत बच्चों ने दक्षता हासिल कर ली है, उसके आधार पर 0-10 के बीच अंक देवें |
26	समुदाय के सदस्यों/ SMC का शाला के प्रति अभिमत के आधार पर स्कोर	10 to 0 scale			समुदाय के सदस्यों से चर्चा कर उनका स्कूल के बारे में अभिमत लेते हुए यह जानने का प्रयास करें कि उनके SMC का अपनी शाला के प्रति अभिमत कैसा है ?
कुल अंक		100			

दिए गए सभी बिन्दुओं पर अच्छे से अच्छी स्थिति तक लाने हेतु सभी आवश्यक एवं अपेक्षित प्रयास करें एवं विद्यार्थियों की उपलब्धि में सुधार लाते हुए अपने स्कूल को अधिकतम अंक दिलवाए जाने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें | पूरी तरह से संतोषप्रद पाए जाने पर ही पूरे अंक देवें |

एजेंडा दो: अंगना म शिक्षा

राज्य में महिला शिक्षिकाओं द्वारा कोरोना लाकडाउन के दौरान बच्चों का सीखना जारी रखने हेतु अंगना म शिक्षा कार्यक्रम संचालित किया गया | इस कार्यक्रम के माध्यम से माताओं को अपने छोटे बच्चों को घर पर रहकर उनको सीखने के अवसर देने के बारे में जानकारी दी जाती है | इस कार्यक्रम का दूसरा चरण माह अप्रैल 2022 से जून 2022 तक चलाया जाएगा एवं इसमें लक्षित समूह 5 से 8 आयु वर्ग के बच्चे शामिल किये जाएंगे |

अंगना म शिक्षा कार्यक्रम के लिए प्रत्येक बसाहट में एक **स्मार्ट माता** की पहचान करें | स्मार्ट माताओं से अपेक्षा होगी कि वह अपने बसाहट में अन्य माताओं के मध्य लीडर के रूप में कार्य कर सकें, उन्हें सक्रिय रखकर विभिन्न कार्यों में शामिल करवा सके, उनके या उनके घर में एक सदस्य के पास स्मार्ट फोन हो जिसके माध्यम से वह राज्य के अंगना म शिक्षा टेलीग्राम ग्रुप में जुड़ सके |

शिक्षिकाओं से अपेक्षा है कि वे अपने बसाहट में छोटे बच्चों के माताओं की पहचान कर उन्हें आगामी मेलों के लिए तैयार करें, उनके साथ बैठक लेकर उन्हें विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए अपने बच्चों को घर पर रहकर सीखने के अवसर देने हेतु क्षमता विकास करें |

इस कार्यक्रम के अंतर्गत अंगना म शिक्षा मेलों का आयोजन किया जाएगा | इस मेले में नौ काउंटर बनाएँ जाएंगे | प्रत्येक काउंटर में बच्चों की मदद एवं डेटा रिकॉर्ड करने के लिए एक स्वयंसेवक होगा | मेले में की जाने वाली गतिविधियों का विवरण निम्नलिखित है –

अंगना म शिक्षा- मेलों के माध्यम से क्षमता आंकलन की रूपरेखा

काउंटर नंबर	स्वयं सेवक की संख्या	गतिविधि	क्षमताएं/कार्य	सामग्री
काउंटर 01	इस काउंटर में शिक्षिका या आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ही बैठें| तथा माताओं की विजिट की शुरुआत और अंत इस काउंटर से करें		रजिस्ट्रेशन सपोर्ट कार्ड/ सर्टिफिकेट वितरण	सपोर्ट कार्ड/सर्टिफिकेट	
			संकलन प्रपत्र भरना	संकलन प्रपत्र	
काउंटर 02	1	संतुलन बनाना	संतुलन बनाकर चलना	रस्सी, चॉक, पुस्तक	
	1		कूदना	रस्सी, चॉक	
काउंटर 03	1		पेपर फोल्डिंग	कागज	

काउंटर 04	1	बौद्धिक विकास	मिलान करना	सब्जियाँ, फूल, खिलौने, ताला-चाबी, पतंग-रस्सी, जूता-मोजा इत्यादि |
			रंग पहचान	लाल, हरा, पीला, नीला, काला, और सफ़ेद कलर |
काउंटर 05	1		वर्गीकरण	आलू, प्याज, दाल के दाने, चने के दाने, सामान चित्र कार्ड |
			क्रम से लगाना	छोटे से बड़े वस्तु, छोटे से बड़े सब्जी |
काउंटर 06	1	भाषा विकास	चित्रवाचन	चित्र कार्ड |
			पढ़ना	सपोर्ट कार्ड से |
काउंटर 07	1	गणित पूर्व तैयारी	आकार पहचान	आकृति कार्ड/ आकृति चार्ट
			गिनना	कंकड़- पत्थर 20 नग/ कोई भी वस्तु जिसे गिना जा सके |
काउंटर 08	1		अंक पहचान	सपोर्ट कार्ड से |
			जोड़ –घटाव	पत्ती, कंकड़, तीलियाँ |
काउंटर 09	2	बच्चों का कोना	शारीरिक विकास : रंग भरें	कलर पेन, स्केच पेन, मोम कलर |
			भाषा विकास : लिखें	सपोर्ट कार्ड से |
			सामाजिक व भावनात्मक विकास : भाव पहचानें	सपोर्ट कार्ड से |

जाँच के दौरान सभी माताओं का गतिविधियों से सम्बंधित प्रशिक्षण किया जायेगा, जिसके लिए एक प्रशिक्षण हाल की जरुरत पड़ेगी तथा जो सामाग्रियाँ बताई गयी है उसको प्रशिक्षण से पहले व्यवस्था करना होगा ताकि माताओं को प्रशिक्षण के दौरान प्रत्यक्ष रूप से गतिविधियां करके दिखाया जा सके साथ ही शिक्षकों को भी एप्प व् डेटा , स्मार्ट माता लिंक इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाएगा|

आवश्यक सामग्री- चित्र कलेंडर, पाठ्यपुस्तक का चित्र, कविता और कहानी की पुस्तक संग्रह, पेन, कॉपी, चॉक, अक्षर फ्लेश कार्ड, सब्जियाँ, अनाज, दालें, छोटे-बड़े वस्तु, छोटे-बड़े कार्ड, कटोरियाँ, पेड़ के पत्तियां, कंचे, पत्थर के छोटे-छोटे टुकड़े, अंक कार्ड कॉपी-पेन, ताला-चाबी, कप-प्लेट, रस्सी, चॉक, त्रिभुज, आयात, वृत्त के चित्र या कार्ड, पुराने, नये कैलेंडर इत्यादि

टीप- गतिविधियों के लिए जितनी भी सामग्री बताई गयी है वह सब घरों में या आस-पास उपलब्ध होते हैं तथा कुछ सामग्रियों को निर्माण करने की आवश्यकता होगी

प्रस्तावित गतिविधि- चित्र पर बातचीत/ कहानियाँ कविता सुनाना/आओ लिखना सीखें/मेहमान पहचान/शब्द बनाये/वर्गीकरण/क्रम से सजाना/गिनती सीखना/जोड़-घटाव/अंक कूद

एडवांस गतिविधि- मैंने देखा/जोड़ी बनाओ/जरा संभल के/कम ज्यादा/एक मिनट में बोलो/उल्टा बताओ/क्या-क्या उड़ाओगे/क्या-क्या करते हो/शब्दों की अंताक्षरी/बिल्लस का खेल/संख्या चक्र/जैसा नाम वैसा दाम/ताली चुटकी/मामा जी का घर/कैलेंडर से दोस्ती/आकारों से जान पहचान |

राज्य स्तर से समयसारिणी तैयार कर जिलों, विकासखंड, संकुल एवं शाला स्तर पर मेलों के आयोजन की जानकारी शीघ्र दी जाएगी | ऐसे मेलों के लिए राज्य के सभी महिला शिक्षिकाओं से अपेक्षा है कि वे अभी से इस कार्यक्रम में सभी माताओं को सक्रिय रूप से शामिल करने हेतु तैयार करेंगे और उन्हें अपने अपने घरों में बच्चों को सीखने हेतु वातावरण बनाएंगे | महिला शिक्षिकाएं अपने अपने क्षेत्र में स्मार्ट माताओं की पहचान कर उन्हें जिम्मेदारी देते हुए उन्हें ग्रुप में जोड़ेंगे |

कार्यक्रम की मानिटरिंग शिक्षकों एवं आंगनबाडी कार्यकर्ताओं द्वारा की जाएगी और वे माताओं को निर्धारित गतिविधियों के आयोजन हेतु प्रेरित करेंगे | माताएं अपने बच्चों को जितनी दक्षताएं सिखा चुकी है उसके प्रमाण के रूप में सपोर्ट कार्ड में स्वयं हस्ताक्षर कर अपने स्कूल में देंगी |

इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को शाला खुलने से पूर्व शाला के लिए तैयार (school readiness) किया जा सकेगा | बच्चों में विभिन्न अपेक्षित दक्षताओं को हासिल करवाने की जिम्मेदारी माताओं द्वारा भी वहन की जाएगी | घर पर सीखने का वातावरण तैयार हो सकेगा | कार्यक्रम के आउटकम के रूप में शिक्षक व माताओं के बीच बच्चों की शिक्षा हेतु नियमित संवाद स्थापित हो पाना एवं माताओं में आत्मविश्वास विकसित हो सकेगा कि वह भी बच्चों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है | छत्तीसगढ़ में सभी माताओं को अपने बच्चों की पढ़ाई में घर पर ध्यान देने हेतु इस योजना "अंगना म शिक्षा " को एक व्यापक अभियान के रूप में संचालित करें |

एजेंडा तीन: मूलभूत साक्षरता एवं गणितीय कौशल विकास हेतु कार्य

राज्य में इस दिशा में सभी स्कूलों को निम्नलिखित क्षेत्रों में कार्य करना होगा-

- निपुण भारत अभियान में निर्धारित लर्निंग आउटकम का अध्ययन कर सभी बच्चों को उसे हासिल करने की दिशा में कार्य प्रारंभ करते हुए मूलभूत भाषाई एवं गणितीय कौशल विकास किया जाना |
- सभी बच्चों में समझ के साथ पढ़ने के कौशल विकास के लिए पुस्तकालय का नियमित उपयोग एवं स्थानीय सामग्री का निर्माण कर नियमित अभ्यास करवाए जाने की निरंतर व्यवस्था |
- बच्चों की भाषा की जानकारी संकलित कर उसे भाषाई सर्वे प्रपत्र में भरना एवं अपने बच्चों के लिए उनकी भाषा में स्थानीय सामग्री का विकास कर उपयोग में लाना |
- अपने आसपास बड़े-बुजुर्गों को एकत्र कर उनके माध्यम से शाला समय से अतिरिक्त समय में बच्चों को कहानियाँ सुनाए जाने हेतु जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप कहानी उत्सव का आयोजन |
- छोटे बच्चों को मूलभूत कौशल सिखाए जाने हेतु **"अंगना म शिक्षा"** कार्यक्रम का आयोजन |
- शाला से बाहर के बच्चों को मुख्यधारा में जोड़ने कुछ अतिरिक्त प्रयास करने हेतु अभ्यास सामग्री |
- विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान कर अधिगम विकलांगता वाले बच्चों के लिए विशेष कार्ययोजना एवं उनमें मूलभूत कौशल विकसित किया जाना |
- आदिवासी बच्चों के लिए स्थानीय भाषा में सामग्री विकसित कर उन पर अभ्यास का आयोजन |

एजेंडा चार: स्कूलों में सोशियल ओडिट

इस माह आपको सभी स्कूलों में सोशियल ओडिट करना है | इसके लिए सभी संकुल समन्वयकों को जांच हेतु एक असर टूल दिया जाएगा | इसके माध्यम से समुदाय को एकत्र कर एक निर्धारत तिथि में सभी बच्चों की बारी-बारी से जांच कर उनके मूलभूत पठन एवं गणितीय कौशल की जानकारी ली जाएगी | इस प्रकार प्राप्त जानकारी को गाँव में दो तीन महत्वपूर्ण स्थानों में पोस्टर के साथ दीवार पर लिखा जाएगा कि इस गाँव में इतने में से इतने बच्चे ही पढ़ सकते हैं और इतने बच्चे गणित के सवाल हल कर सकते हैं | इस दीवार को प्रत्येक गाँव में लगाया जाएगा और इसे बोलती दीवार नाम दिया जाएगा | इसका अध्ययन कर गाँव से शिक्षा में रूचि लेने वाले व्यक्ति आपस में मिलबैठकर स्थिति में कैसे सुधार करना है, पर चर्चा कर आगे के लिए कार्ययोजना एवं जिम्मेदारी लेंगे | इस सोशियल ओडिट का पूरा फोकस इस बात पर किया जाए कि कोरोना की वजह से हमारे बच्चों में जो नुकसान हुआ हैं उसे कैसे कम किया जाए| इसके लिए आवश्यक होगा कि हमें इस कार्य हेतु समुदाय से अधिक से अधिक सहयोग मिल सके चाहे वह शिक्षा सारथी के रूप में या आवश्यक सामग्री, निरंतर मानिटरिंग एवं SMC की सक्रियता के रूप में क्यों न हो |

एजेंडा पांच: संकुल स्तर पर मासिक बैठकों का आयोजन

संकुलों की संख्या पूर्व से दुगुनी हो गयी है परन्तु उनसे अपेक्षित अकादमिक निरीक्षण व्यवस्था हाल के वर्षों में बहुत लचर हो गयी है और बच्चों की उपलब्धि, उपस्थिति, सामुदायिक सहभागिता जैसे क्षेत्रों में बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है | संकुल समन्वयकों से अपेक्षा है कि-

- संकुल के सभी शिक्षक चर्चा पत्र को cgschool.in में जाकर सीधे स्वयं डाउनलोड करें, उन्हें सोशियल मीडिया से न वितरित करें ताकि वास्तविक पाठकों की संख्या का पता चले
- संकुल समन्वयक सभी शिक्षकों को पहले चर्चा पत्र स्वयं पढ़कर, स्कूल में अन्य स्टाफ के साथ चर्चा करने के बाद संकुल की बैठक में शामिल होने हेतु आमंत्रित करें
- प्रतिमाह संकुल केंद्र में सभी शिक्षकों की बैठक अनिवार्यतः लेते हुए उनका क्षमता विकास एवं कार्यों की समीक्षा अवश्य करें ताकि संकुल में सभी अपेक्षित गतिविधियाँ ठीक से संचालित की जा सके | संकुल समन्वयकों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है |
- संकुल समन्वयक अपने शाला में सभी अपेक्षित गतिविधियों को बहुत अच्छे से आदर्श रूप में प्रस्तुत करने की स्थिति में होना चाहिए ताकि अन्य शिक्षकों को उदाहरण दिया जा सके |
- राज्य द्वारा चाही गयी सभी अपेक्षित जानकारियों को संकुल के सभी शालाओं में तत्काल लागू किये जाने हेतु आवश्यक माहौल बनाएं |
- संकुल के सभी शिक्षकों को अकादमिक चॅनल टेलीग्राम ग्रुप में अवश्य शामिल करें |

एजेंडा छह: सौ दिवसीय अभियान को गति देना

जनवरी के प्रथम सप्ताह में सौ दिवसीय अभियान अर्थात चौदह सप्ताह के लिए गतिविधियां प्रारंभ की गयी थी | इस अभियान के प्रारंभ होने के कुछ समय बाद बहुत से विकासखंडों में स्कूलों में लाकडाउन लग गया | इस दौरान कुछ स्थलों में कुछ सक्रिय शिक्षकों की वजह से यह अभियान जारी रह सका लेकिन आधिकांश स्थानों में इस अभियान के अंतर्गत निर्धारित कार्य नहीं हो पाए | अब चूंकि सभी स्कूल पुनः खुल गए हैं, ऐसी स्थिति में जिन शालाओं में जितने सप्ताह तक की गतिविधियाँ सही तरीके से आयोजित की जा चुकी हैं और बच्चों में दक्षताएं हासिल हो गयी हैं, उन शालाओं में उस सप्ताह के बाद के सप्ताहों की दक्षताओं के साथ पुनः पूरी गंभीरता के साथ कार्य प्रारंभ किया जाए| इस अभियान के आयोजन का उद्देश्य यही है कि प्रत्येक सप्ताह कुछ विशिष्ट दक्षताओं को लेकर फोकस होकर सभी बच्चों में इन दक्षताओं के हासिल होने तक जमकर कार्य किया जाए, कोई कसर छोडी न जाए | विद्यार्थी विकास सूचकांक में बच्चों की प्रगति को देखें |

एजेंडा सात: आपके पास उपलब्ध बजट जिसे इसी सत्र में व्यय करना है

समग्र शिक्षा में जमीनी कार्यालयों एवं स्कूलों को जारी राशि का उपयोग किए बिना खातों में राशि पडी रहती थी| ऐसे में जिस कार्य के लिए स्कूलों को राशि जारी की जाती है वह उस कार्य के लिए उपयोग में नहीं लाई जाती थी| इस व्यवस्था को दुरुस्त करने अब समग्र शिक्षा में PFMS (Public Finance Management System) लागू किया गया है | इस हेतु समग्र शिक्षा मद में उपलब्ध समस्त राशि को सभी की खातों से वापस मंगवा लिया गया है | अब विभिन्न कार्यालयों को विभिन्न मदों में व्यय करने हेतु एक बजट सीमा तय कर दी जाती है | वो राशि राज्य के खाते में ही रहती है | स्कूलों या विभिन्न कार्यालयों को उनको स्वीकृत बजट सीमा के भीतर निर्धारित कार्यों को पूरा करते हुए राज्य के खाते से उतनी राशि संबंधित को निर्धारित कार्यों के लिए देने हेतु चेक काटने का अधिकार होता है | ऐसे में यदि स्कूल या कार्यालय उनको जारी लिमिट के अनुसार समय पर बजट का उपयोग नहीं किया तो वह राशि राज्य के खाते में ही रहेगी | आपके खाते में नहीं जाएगी और सत्र बीतते ही उस राशि का फिर आप भी उपयोग नहीं कर पाएंगे | राज्य में वह राशी अगले सत्र के ओपनिंग बेलेंस में आ जाएगी और स्वीकृत राशि का लाभ किसी को नहीं मिल सकेगा |

इसलिए इस सत्र में स्वीकृत बजट का बेहतर उपयोग करने आप सभी से अनुरोध है कि आपको जारी लिमिट पता कर जिन कार्यों के लिए बजट स्वीकृत हुआ है, उसे तत्काल व्यय करें | मार्च का इन्तजार नहीं करें | बजट को अविलंब सही निर्धारित कार्यों में व्यय करना सुनिश्चित करें | जारी कुछ बजट इस प्रकार है जिसे पूरा पूरा व्यय करना है-

क्र.	स्तर	किस कार्य हेतु	कितना
1	स्कूल	शाला अनुदान में शाला में विभिन्न कार्यों, रंगाई-पुताई एवं विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ती हेतु	दर्ज संख्या अनुसार
2	स्कूल	शाला सुरक्षा अनुदान के रूप में समुदाय के साथ शाला सुरक्षा पर पोस्टर, स्लोगन बनाओ प्रतियोगिता आयोजित कर बेहतर पोस्टर को बड़े आकार में बनवाकर विभिन्न स्थलों में प्रदर्शित करना / चयनित UPS में bagless school हेतु	प्रति शाला एक हजार रूपए Bagless school हेतु चयनित शालाओं को रूपए दस हजार प्रथम किश्त एवं व्यय करने पर पांच हजार दूसरी किश्त भेजना है
3	विकासखंड एवं जिले स्तर पर	कबाड़ से जुगाड़ प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु	तीस हजार रूपए प्रति विकासखंड / जिला

4	जिले स्तर पर	एलिमेंटरी एवं सेकन्डरी स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी के आयोजन हेतु	रुपए 40-40 हजार प्रति जिले प्रत्येक स्तर के लिए कुल दो स्तर
5	जिला स्तर	100 दिवसीय अभियान में सामग्री निर्माण / मानिटरिंग जिला स्तर पर स्थानीय सामग्री तैयार कर सॉफ्ट प्रति राज्य कार्यालय को उपलब्ध करवाना	पचास हजार रूपए प्रति जिला सामग्री निर्माण जनवरी चर्चा पत्र के आधार पर
6	विकासखंड स्तर	100 दिवसीय अभियान में सामग्री निर्माण / मानिटरिंग स्थानीय स्तर पर एक पुस्तिका तैयार कर राज्य कार्यालय को सॉफ्ट प्रति उपलब्ध करवाना	पचास हजार रूपए प्रति विकासखंड सामग्री निर्माण जनवरी चर्चा पत्र के आधार पर
7	जिला स्तर	चयनित विद्यार्थियों का यात्रा देयक/ अवार्ड पढ़ई तुंहर दुआर	20000/- प्रति जिला
8	विकासखंड स्तर	चयनित विद्यार्थियों का यात्रा देयक/ अवार्ड पढ़ई तुंहर दुआर	10000/- प्रति विकासखंड
9	संकुल स्तर	चयनित विद्यार्थियों का यात्रा देयक/ अवार्ड पढ़ई तुंहर दुआर	2500/- प्रति संकुल
10	जिला स्तर	36-36 शिक्षकों को गणतन्त्र दिवस पर पुरस्कार	36000/- प्रति जिला
11	विकासखंड स्तर पर	प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के साथ कार्य	रूपए 10000/- प्रति विकासखंड
12	आकांक्षी जिला	आकांक्षी जिलों में प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के साथ कार्य	रूपए 30000/-

13	HS/HSS	उपचारात्मक शिक्षण हेतु विशेष कोचिंग कक्षाओं का आयोजन, बेसलाइन एवं एंडलाइन टेस्ट के आयोजन हेतु प्रति विद्यार्थी 30/-	कोचिंग मानदेय 5000 रूपए प्रति स्कूल 250 प्रति कक्षा कोचिंग हेतु प्रति विद्यार्थी 30/-25% विद्यार्थियों के लिए
14	BEO	पीएलसी के साथ कार्य एवं मानिटरिंग के आयोजन हेतु	रूपए 20000/- प्रति विकासखंड
15	DEO	आनलाइन कक्षाओं का आयोजन, पीएलसी के साथ कार्य, सामग्री निर्माण, सोशियल मीडिया ग्रुप में विद्यार्थियों के साथ कार्य एवं मानिटरिंग के आयोजन हेतु	रूपए एक लाख प्रति जिला रूपए बीस हजार प्रति जिला आनलाइन कक्षाओं के लिए प्रति कक्षा रूपए 500/- प्रति शिक्षक

इस टेबल में उदाहरण के लिए कुछ राशि जो विभिन्न स्तरों पर स्वीकृत की गई है, उसका उल्लेख किया गया है | विभिन्न शाखाओं द्वारा और भी राशि आपके लिए स्वीकृत की गयी है | पर जैसा कि पूर्व में सूचित किया गया है, ये आपके खाते में नहीं दिखेगा | स्वीकृति की जानकारी तत्काल अपने उच्च कार्यालय से लेते हुए यथाशीघ्र उपलब्ध बजट का निर्धारित कार्यों में व्यय एवं उपयोग सुनिश्चित करें | इस बात का ध्यान देवें कि मार्च अंत तक का इन्तजार न करें, इस कार्य को शीघ्र संपन्न करें |

एजेंडा आठ: ग्रीष्मावकाश में कटौती से उपलब्ध कार्यदिवस हेतु योजना

इस हेतु अपने अपने जिले, विकासखंड एवं संकुल स्तर पर शिक्षकों, शाला प्रबन्धन समिति, शिक्षा सारथियों एवं पालकों के साथ प्रत्यक्ष एवं आनलाइन वेबीनारों का आयोजन कर इस अवधि का बेहतर से बेहतर उपयोग किए जाने हेतु निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा/ ब्रेन-स्टोर्मिंग कर निर्णय लिया जाए-

a. कोरोना लाकडाउन से बच्चों में हुआ सीखने में नुकसान (learning loss)
b. लाकडाउन के दौरान बच्चों की दिनचर्या, व्यवहार में बदलाव
c. स्कूलों में बच्चों के सीखने में हुए नुकसान की भरपाई (learning recovery) हेतु विशेष कार्यक्रम हेतु सुझाव
d. समुदाय एवं पालकों की ओर से बच्चों के सीखने में सहयोग हेतु प्रस्ताव

इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु निम्नलिखित क्षेत्रों में कार्यदल बनाकर कार्यक्रम डिजाइन करें-

1. शिक्षकों का सतत क्षमता विकास
2. शालाओं में उपलब्ध कराए जाने हेतु शिक्षण सामग्री
3. इस अवधि में कक्षा में उपयोग में लाए जाने हेतु शिक्षण विधियां
4. शिक्षकों/ विद्यार्थियों को समर्थन, प्रोत्साहन एवं समस्या समाधान
5. मानिटरिंग एवं आकलन प्रक्रिया

इस बार आगामी साठ दिनों के लिए कार्यक्रम क्रियान्वयन हेतु डिजाइन बनाने का अवसर जमीनी स्तर पर आपको है | इसे सफल करें |

एजेंडा नौ: FLN हेतु मेंटर्स का चयन

संकुल समन्वयक द्वारा संकुल स्तर पर सभी शिक्षकों की एक बैठक आमंत्रित कर अपने संकुल में FLN के संबंध में वर्तमान स्थिति, सुधार के लिए सौ दिवसीय अभियान की जानकारी, निकट भविष्य में किए जाने वाले सोशियल ओडिट आदि की जानकारी देते हुए चर्चा पत्र के जनवरी अंक के आधार पर स्थानीय स्तर पर सामग्री संकलन में सहयोग आदि के प्रस्ताव के साथ-साथ अपने संकुल में सर्व-सम्मति से FLN पर कार्य करने एवं अन्य शिक्षकों को FLN में सहयोग देने हेतु PLC के रूप में कार्य करने हेतु पांच-पांच शिक्षकों का चयन कर सूची एवं शिक्षकों का विवरण उपलब्ध करवाएँगे |

विकासखंड स्तर पर	प्रत्येक विकासखंड में प्रारंभिक भाषा एवं प्रारंभिक गणित के लिए 4-4 शिक्षक	प्रारंभिक भाषा एवं गणित के क्षेत्र में नवाचार, विभिन्न कोर्सेस एवं सहायक सामग्री निर्माण आदि में सक्रिय सहभागिता के साथ-साथ टेक्नोलोजी एवं सोशियल मीडिया के उपयोग में सक्रिय एवं दक्ष हो | PLC के रूप में नेतृत्व प्रदान किया हो
संकुल स्तर पर	प्रत्येक संकुल में भाषा गणित दोनों की पृष्ठभूमि वाले कुल पांच शिक्षक	प्रारंभिक भाषा एवं गणित के क्षेत्र में नवाचार, विभिन्न कोर्सेस एवं सहायक सामग्री निर्माण आदि में सक्रिय सहभागिता के साथ-साथ टेक्नोलोजी एवं सोशियल मीडिया के उपयोग में सक्रिय एवं दक्ष हो | PLC के रूप में नेतृत्व प्रदान किया हो

एजेंडा दस: निरीक्षण के लिए पोर्टल में पंजीयन

#	Item	#	Item
1	Designation	4	Organization
2	Mobile Number	5	Authority
3	Treasury Code/ ID #	6	Level

राज्य में निरीक्षण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को अपने उच्च कार्यालय से cgschool.in में अपना पंजीयन करवाना होगा | उनके द्वारा पंजीयन करने पर वे अपने क्षेत्र के स्कूलों में निरीक्षण कर उसकी प्रविष्टि कर सकेंगे | अगले माह से राज्य से प्रत्येक अधिकारी द्वारा किए जा रहे निरीक्षण की मानिटरिंग होगी |

DPI/SCERT/Samagra सभी जल्दी से जल्दी राज्य स्तर से लेकर संकुल स्तर तक सभी अधिकारियों का पंजीयन कर उन्हें निरीक्षण के लिए सक्षम बनाते हुए निर्धारित कोटे अनुसार निरीक्षण जारी रखेंगे |